!! कीमती पल !!

जीवन के हसीं कीमती पलो को,

हम यु ही गवा बैठते है !

जब वक़्त निकल जाता है,

तो पीछे से पछताते है !!

उन कीमती पलो को हम संजोते नहीं,

उन कीमती घड़ियों को हम जीते नहीं !

इस तरह व्यस्त हो जाते है,

जीवन के जंजाल में खो जाते है !!

अपनों के बीच रहकर भी हम,

अपनों के लिए पराये बन जाते है !

जीवन है रेत कि तरह,

मुट्ठी से फिसल जाता है !!

कोई ये जान न पता है,

जिंदगी कब पलट जाए नाव कि तरह !

भवरो और तूफ़ानो में फसकर,

कब डूब जाये ये अंदाजा नहीं !!

कीमती पलो को संजो लेना चाहिए,

खुशियो को बाहो में समेट लेना चाहिए !

फिर आखिर पछताने से कुछ मिलता नहीं,

ये जीवन जो चला गया तो फिर मिलता नहीं !!